सांध्य दैनिक

4PM

व्यक्ति अकेले पैदा होता है और अकेले मर जाता है और वो अपने अच्छे और बुरे कर्मों का फल खुद ही भुगतता है और वह अकेले ही नर्क या स्वर्ग जाता है।
–चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 308 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 16 दिसम्बर, 2025

शेफाली वर्मा बनीं नवंबर की सर्वश्रेष्ठ... 7 | तेजस्वी यादव, पीके और नितिन पर... 3 | लोक सेवा आयोग की चयन प्रणाली... 2

समाजवाद से दंभवाद तक का सफर

बीमार या लाचार नीतीश कुमार!

सरकारी कार्यक्रम में महिला डाक्टर के चेहरे से हिजाब खींचने की कोशिश

» मुस्लिम समुदाय में उबाल, विपक्ष ने मांगा इस्तीफा

» आरजेडी ने उठाये मानसिकता पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर चर्चा में है। उन पर गंभीर आरोप लग रहे हैं। विपक्ष ने उन्हें तत्काल पद से त्यागपत्र देने की बात कही है। दरअसल सीएम नीतीश कुमार पटना में नियुक्ति पत्र बांटने के एक कार्यक्रम के दौरान एक मुस्लिम महिला डाक्टर के हिजाब हटाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा रुहुल्ला मेंहदी ने इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से एक मुस्लिम महिला के बुर्के को खींचने जैसा व्यवहार न तो स्वीकार्य है और न ही इसका कोई औचित्य है। वही मुस्लिम धर्मगुरूओं और दूसरे अन्य कई राजनीतिक दलों ने भी इस घटना की घोर निंदा की है।

महिला विरोधी हैं नीतीश कुमार

जमीयत दावातुल मुस्लिमीन के संरक्षक और देवबंदी उलेमा मौलाना कारी इसहाक गोरा ने इस पूरे मामले को शर्मनाक और निंदनीय बताया है। मौलाना का कहना है कि यह सिर्फ एक महिला का नहीं बल्कि पूरे देश की महिलाओं के सम्मान और निजता से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। मौलाना कारी इसहाक गोरा ने कहा कि किसी भी महिला के पहनावे में उसकी मर्जी के बिना दखल देना पूरी तरह गलत है। महिला क्या पहनेगी यह उसका निजी और संवैधानिक अधिकार है। नकाब हो बुर्का हो साड़ी हो या कोई और पहनावा किसी को भी यह अधिकार नहीं है कि वह जबरदस्ती किसी महिला की निजता को तोड़े। उन्होंने कहा कि जब ऐसी हरकत सत्ता में बैठे किसी बड़े नेता की ओर से होती है तो मामला और भी गंभीर हो जाता है।

नीतीश कुमार की सबसे बड़ी विफलता

नीतीश कुमार की सबसे बड़ी विफलता यह नहीं है कि उन्होंने पाला बदला। भारतीय राजनीति में यह कोई नई बात नहीं है। उनकी विफलता यह है कि उन्होंने अपने नैतिक ब्रांड को गिरवी रख दिया। एक समय था जब नीतीश कुमार का नाम लेते ही अल्पसंख्यक सुरक्षा, सामाजिक न्याय और संतुलित शासन अपने आप जुड़ जाते थे। आज उनका नाम लेते ही असहज चुप्पी सफाई की जरूरत और विपक्ष के तीखे सवाल साथ आते हैं। बीजेपी के साथ सत्ता में बने रहने की कीमत सिर्फ सीटों से नहीं चुकाई जाती। यह कीमत भाषा, बाडी लैंग्वेज और प्राथमिकताओं में भी चुकानी पड़ती है। और नीतीश कुमार आज उसी कीमत को चुका रहे हैं।

सरकारी कार्यक्रम दूर तक संदेश

यह विवाद एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान हुआ जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री सचिवालय के संवाद हॉल में 1,283 आयुष डॉक्टरों (आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक और यूनानी) को नियुक्ति पत्र बांटे। इस कार्यक्रम के बाद सीएम नीतीश कुमार ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा कि आज मैंने संवाद हॉल में 1,283 आयुष डॉक्टरों के लिए नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में भाग लिया। यह कदम हेल्थकेयर सेक्टर में नई प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करेगा और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को और मजबूत करेगा। सभी नए नियुक्त आयुष डॉक्टरों को मेरी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। अभी तक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार या बिहार सरकार की ओर से विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों पर कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया है।

क्या इतने दयनीय हो गये नीतीश!

राष्ट्रीय जनता दल ने इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री के बर्ताव पर सवाल उठाया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिये आरजेडी ने लिखा है कि क्या हो गया है नीतीश जी कोड़ मानसिक स्थिति बिल्कुल ही अब दयनीय स्थिति में पहुंच चुकी है या नीतीश बाबू अब 100 फीसदी संघी हो चुके हैं। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे के साथ दिख रहे हैं। गौरतलब है कि नीतीश कुमार जब उक्त डाक्टर के हिजाब को उनके चेहरे से हटाने की कोशिश कर रहे थे तब उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उन्हें रोकने की असफल कोशिश की थी।

छिपी मानसिकता या सत्ता की मजबूरी?

यह कहना आसान है कि नीतीश कुमार ने अजीब मानसिकता ओढ़ ली है। लेकिन सच्चाई शायद इससे ज्यादा कड़वी है। नीतीश कुमार ने वैचारिक छलांग नहीं लगाई है उन्होंने समर्पण किया है। राजनीति में जोर भाषणों पर नहीं संकेतों पर होता है। क्या कहा गया है उससे ज्यादा अहम होता है क्या नहीं कहा गया। अगर किसी सार्वजनिक मंच पर महिला की धार्मिक पहचान को लेकर असहजता दिखाई देती है और सत्ता की ओर से कोई स्पष्टता नहीं आती तो वह मौन खुद एक बयान बन जाता है। और राजनीति में मौन सबसे खतरनाक भाषा होती है। हिजाब यहां सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं है। यह सवाल है कि क्या राज्य नागरिक को उसकी पहचान के साथ स्वीकार करता है या शर्तों के साथ? अगर आरोप सही हैं और इस पर जांच होनी ही चाहिए तो यह घटना बिहार की राजनीति में एक खतरनाक मोड़ का संकेत देती है। क्योंकि अब बहस कानून की नहीं सहजता की हो रही है। और जब सत्ता तय करने लगे कि कौन सी पहचान सहज है और कौन सी असहज तब संविधान पीछे छूटने लगता है।

मॉफी मांगे नीतीश कुमार

संघ की राजनीति में जोर भाषणों पर नहीं संकेतों पर होता है। और नीतीश कुमार के जरिये संकेत पारित किये जा चुके हैं कि सरकारों को किस दृष्टिकोण पर आगे बढ़ना होगा। बिहार से शुरू हुए हिजाब बमचक का असर पूरे भारत की राजनीति पर पड़ना लाजमी है। आरजेडी/सपा और कश्मीरी सांसद सहित पूरे भारत के मुस्लिम धर्मगुरूओं द्वारा सीएम नीतीश कुमार के इस कृत्य पर आक्रोश भरे बयान आना शुरू हो गये हैं। नीतीश कुमार के इस कृत्य को हिजाब कंट्रोवर्सी के साथ महिलाओं की अस्मिता और सम्मान से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

समस्या बुद्धि की नहीं, बेचैनी की है

नीतीश कुमार आज उस मोड़ पर हैं जहां उन्हें न पूरी तरह बीजेपी भरोसे में लेती है और न ही पुराने सहयोगी उन्हें अपना मानते हैं। वह सत्ता में हैं लेकिन नैरेटिव से बाहर। यही स्थिति किसी भी नेता को असहज बनाती है। जब सत्ता बचाने की प्राथमिकता बन जाती है तब संवैधानिक मूल्यों की रक्षा एक वैकल्पिक विषय बन जाती है। और यही वह बिंदु है जहां से नीतीश कुमार की राजनीति आज फिसलती दिख रही है।

लोक सेवा आयोग की चयन प्रणाली का भी एसआईआर हो : अखिलेश यादव

» प्रयागराज में विद्यार्थियों के आंदोलन से जताया समर्थन

» बल प्रयोग की निंदा की सरकार को भी घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज प्रतियोगी छात्रों के आंदोलन के दौरान हुए बल प्रयोग की सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निंदा की है। उन्होंने भाजपा सरकार पर भी प्रहार किया। सपा प्रमुख ने कहा कि आयोग की परीक्षा प्रणाली का भी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने की मांग उठाई है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा ये न भूले कि पड़ने वाले युवा लड़ना नहीं चाहते हैं, वो तो बस साफ-सुथरे तरीके से नौकरी की प्रक्रिया का शुद्धीकरण करवाने की मांग कर रहे हैं।

हम प्रतियोगी अभ्यर्थियों के साथ नैतिक बल बनकर खड़े हैं। उप्र लोक सेवा आयोग की दोषपूर्ण परीक्षा प्रणाली और भ्रष्ट चयन प्रक्रि या पर लग रहे आरोपों के संदर्भ में एक एसआइआर की मांग करते हैं। सपा प्रमुख ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्र-नौजवानों के साथ अमानवीय और दुर्व्यवहार की निंदा की।

अगर उनकी चलती तो वे इस योजना का नाम गोडसे के नाम पर रख देते

उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म में, सनातन धर्म में, प्रत्येक व्यक्ति अपने पिता का सम्मान करता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का विश्व भर में सम्मान किया जाता है। आप सोनिया गांधी द्वारा शुरू की गई उस योजना से उनका नाम हटा रहे हैं, जो कोविड-19 महामारी के दौरान देश के लिए आजीविका का स्रोत बनी। उन्होंने आगे कहा कि मेरा कहना यह है कि आप एक और योजना ला रहे हैं, लेकिन इस योजना से महात्मा गांधी का नाम क्यों हटा रहे हैं? अगर उनकी चलती तो वे इस योजना का नाम गोडसे के नाम पर रख देते।

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार अहंकार से भरी

सपा प्रमुख ने कहा कि बेरोजगारी की पीड़ा से गुजर रहे युवाओं के साथ अमानवीय तरीके से मारपीट व बाल पकड़कर अपमानित करने का जो काम उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार कर रही है, वह सत्ता का अहंकार है जो अमानुषिक बनकर अपनी ताकत दिखा रहा है। इसके लिए युवा कभी माफ नहीं करेंगे। भाजपा के एजेंडे में नौकरी है ही नहीं। भाजपा ने छात्रों-नौजवानों के साथ किए गए वादों को पूरा नहीं किया।

नाम बदलना भाजपा की पुरानी आदत

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीए) को बदलने के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा लाए गए विधेयक की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का यह कदम दूसरों के काम को अपना बताने के मकसद से उठाया गया है। पत्रकारों से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की यह पुरानी आदत है कि वह योजना का नाम बदलती रहती है। यादव ने कहा कि भाजपा की नाम बदलने की संस्कृति बहुत पुरानी है... इस दो इंजन वाली सरकार में दिल्ली का इंजन उत्तर प्रदेश के इंजन से सीख रहा है। यह दो इंजन वाली सरकार दूसरों के काम को अपना बता रही है। उनके पास दिखाने के लिए कोई नया काम नहीं है। इसके अलावा, कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने पर भाजपा से सवाल किया। उन्होंने सुझाव दिया कि केंद्र सरकार को योजना का नाम बदलने के बजाय एक नई योजना शुरू करनी चाहिए।

सरकार गैर-हिंदी भाषी लोगों का अपमान कर रही है : पी. चिदंबरम

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने विधेयकों के शीर्षकों में हिंदी शब्दों के उपयोग की सरकार की ''बढ़ती प्रवृत्ति'' की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों के लिए ''अपमानजनक'' है। चिदंबरम ने कहा कि गैर-हिंदी भाषी लोग ऐसे विधेयक/अधिनियमों को नहीं पहचान सकते जिनके शीर्षक हिंदी शब्दों में अंग्रेजी अक्षरों में लिखे गए हों और वे उनका उच्चारण भी नहीं कर सकते।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''संसद में पेश किए जाने वाले विधेयकों के शीर्षक में सरकार द्वारा हिंदी शब्दों को अंग्रेजी अक्षरों में लिखने के बढ़ते चलन का मैं विरोध करता हूं।'' चिदंबरम ने कहा कि अब तक यह प्रथा थी कि विधेयक के अंग्रेजी संस्करण में शीर्षक अंग्रेजी शब्दों में और हिंदी संस्करण में हिंदी शब्दों में लिखा जाता था। उन्होंने कहा, ''जब 75 साल से इस प्रथा में किसी को कोई दिक्कत नहीं आई तो सरकार को बदलाव क्यों करना चाहिए?'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों और उन राज्यों का अपमान है जिनकी आधिकारिक हिंदी के अलावा कोई अन्य है।'' चिदंबरम ने कहा कि सरकारों ने लगातार दोहराया है कि अंग्रेजी एक सहयोगी आधिकारिक बनी रहेगी। कांग्रेस सांसद ने कहा, ''मुझे डर है कि यह वादा टूटने की कगार पर है।

पेड लगाने की बात कर जंगल कटवाने की अनुमति दी : पटवारी

» सिंगरौली खनन मुद्दे पर कांग्रेस का दिल्ली से हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय मेंसिंगरौली खनन परियोजना को लेकर कांग्रेस ने केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने आरोप लगाया कि सिंगरौली में आदिवासियों, पर्यावरण और स्थानीय आबादी के अधिकारों को नजरअंदाज कर अडानी समूह को बड़े पैमाने पर खनन की छूट दी गई है। कांग्रेस नेताओं ने इसे संस्थागत लूट करार देते हुए कहा कि पहले छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य को उजाड़ा गया और अब मध्यप्रदेश के जंगलों की बारी है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया, तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य कमलेश्वर पटेल, पूर्व मंत्री बाला बच्चन सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि एक तरफ सरकार 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियान चलाती है, वहीं दूसरी तरफ हजारों-लाखों पेड़ कटवाने की अनुमति दी जा रही है। पार्टी का दावा है कि सिंगरौली के सुलियारी और धिरौली कोल ब्लॉकों में खनन के लिए करीब 2,672 हेक्टेयर जमीन अडानी को दी गई है, जहां लगभग 6 लाख पेड़ काटे जा रहे हैं। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार ने महज 204 करोड़ रुपए में अडानी को पूरा जंगल सौंप दिया, जबकि इस क्षेत्र में मौजूद कोयले की कीमत लाखों करोड़ रुपए आंकी जा रही है। पार्टी ने कहा कि खदान, संचालन और कोयला उत्पादन सब कुछ एक ही कंपनी के हाथ में देकर नियमों की भावना के साथ खिलवाड़ किया गया है।

नियम बदले गए, संस्थाओं को दरकिनार किया

कांग्रेस का कहना है कि सिंगरौली पहले 5वीं अनुसूची क्षेत्र माना जाता था, लेकिन खनन परियोजना के लिए नियमों की व्याख्या बदल दी गई। ट्राइबल एडवाइजरी कमेटी की बैठक तक नहीं बुलाई गई और वाइल्ड लाइफ से जुड़े नियमों में भी ढील दी गई। पार्टी ने आरोप लगाया कि कई मामलों में मुआवजा जमीन मालिक आदिवासियों की बजाय अन्य लोगों को मिल गया, जिस पर हाईकोर्ट ने भी संज्ञान लिया है। कांग्रेस ने साफ किया कि सिंगरौली का मुद्दा केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों और संसाधनों की रक्षा का है। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि परियोजना पर पुनर्विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मनरेगा का नाम बदलने को लेकर सियासी कोहराम

खरगे बोले- नाम बदलने का सड़क से लेकर संसद तक करेंगे कड़ा विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीए) को बदलने वाले विधेयक के पेश होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए इसे एमजीएनआरईजीए को खत्म करने के लिए भाजपा-आरएसएस की साजिश बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, खरगे ने आरोप लगाया कि यह कदम इस प्रमुख ग्रामीण रोजगार योजना को कमजोर करने और अंततः खत्म करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया कि यह सिर्फ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का नाम बदलने का मामला नहीं है। यह एमजीएनआरईजीए को खत्म करने के लिए भाजपा-आरएसएस की साजिश है। संघ की शताब्दी पर गांधी जी का नाम मिटाना यह दर्शाता है कि वे लोग कितने खोखले और पाखंडी हैं जो मोदी जी की तरह विदेशी धरती पर बापू को फूल चढ़ाते हैं। गरीबों के अधिकारों से मुंह मोड़ने वाली सरकार ही एमजीएनआरईजीए पर हमला करती है।

कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी, इस बात पर जोर देते हुए खरगे ने कहा कि पार्टी संसद के अंदर और बाहर, गरीबों और श्रमिकों के खिलाफ ऐसे किसी भी फैसले का विरोध करेगी। पोस्ट में आगे कहा गया कि कांग्रेस पार्टी संसद में और सड़कों पर इस अहंकारी सरकार के ऐसे किसी भी फैसले का कड़ा विरोध करेगी जो गरीबों और श्रमिकों के खिलाफ है। हम करोड़ों गरीब लोगों, मजदूरों और श्रमिकों के अधिकारों को सत्ता में बैठे लोगों द्वारा छीने जाने नहीं देंगे।

गांधी विरोधी पार्टी है भाजपा : राम गोपाल यादव

सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि मेरी राय में इस विधेयक को लाने की आवश्यकता ही नहीं है। इस विधेयक के लाने के बाद बीजेपी पर जो ये आरोप लगता रहा है कि ये गांधी जी के शुरू से ही विरोधी रहे है और इन पर जिस तरह गांधी की हत्या से लेकर अब तक आरोप लगते रहे वो सब कंफर्म हो रहे हैं। राम गोपाल ने कहा कि इस विधेयक में नया क्या ला रहे हैं? केवल नाम ही तो बदल रहे हैं. बापू के नाम से बीजेपी को इतनी नफरत है तो हम लोग इसका समर्थन नहीं कर सकते, केवल बहुमत के आधार पर बना लें। लेकिन, इस विधेयक को लाने की आवश्यकता ही नहीं है।

भारतीय सेना के शौर्य और इंदिरा के साहसिक नेतृत्व की मिसाल है 1971 की विजय : कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने विजय दिवस पर मंगलवार को कहा कि 1971 के युद्ध की विजय भारतीय सेना के शौर्य और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के दूरदर्शी एवं साहसिक नेतृत्व की मिसाल है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को नमन भी किया।

कांग्रेस ने विजय दिवस पर मंगलवार को कहा कि 1971 के युद्ध की विजय भारतीय सेना के शौर्य और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के दूरदर्शी एवं साहसिक नेतृत्व की मिसाल है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय सैनिकों के शौर्य और बलिदान को नमन भी किया। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज ही के दिन 1971 में इतिहास रचा गया, जब भारत की वीर सशस्त्र सेनाओं ने पाकिस्तान को निर्णायक रूप से परास्त कर बांग्लादेश को स्वतंत्रता दिलाई और विश्व के मानचित्र को नया स्वरूप दिया।''

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी के दूरदर्शी, साहसिक और दृढ़ नेतृत्व में यह विजय मानवता और न्याय की एक महान मिसाल बनी। खरगे ने कहा, ''हम भारतीय सैन्य शक्ति और मुक्ति वाहिनी के अद्वितीय साहस, पराक्रम और बलिदान को शत-शत नमन करते हैं। भारत माता के इन वीर सपूतों का त्याग और समर्पण एक कृतज्ञ राष्ट्र सदैव याद रखेगा।'कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 1971 के युद्ध में भारत की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने शौर्य, समर्पण और अटूट संकल्प से पूरे विश्व में इतिहास रचने वाले हमारे सशस्त्र बलों के वीरों को विजय दिवस पर नमन करता हूं।

चर्चा में फिर आ गया बिहार

तेजस्वी यादव, पीके और नितिन पर बतकही

- एमएलसी चुनाव को लेकर भी मचा शोर
- बीजेपी में दावेदारों पर तेज हुई सुगबुगाहट
- विपक्ष अभी एमएलसी चुनाव पर शांत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नई सरकार बन चुकी है। विपक्षी महागठबंधन अपनी हार के कारणों पर मंथन आरंभ कर चुका है। उधर अब भी बिहार की चर्चा देश में कम नहीं हो रही है। कभी तेजसवी के विदेश दौर को लेकर बतकही हो रही है तो ताजा बातचीत में भाजपा के नए कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के अलावा पीके हैं। पीके इसलिए क्योंकि उनकी कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से मुलाकात हुई है। उसके अलावा ले एमएलसी सीटें खाली होने में अभी काफी समय है, लेकिन भाजपा खेमे में अभी से दावेदारों की सेटिंग शुरू हो गई है। भाजपा के पास फिलहाल 89 विधायक हैं, जिसके चलते पार्टी चार सदस्यों को विधान परिषद भेज सकती है।

वहीं विपक्ष भी अपनी दावेदारी में जुटगया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शोर पूरी तरह समाप्त भी नहीं हुआ था कि अब बिहार में कौन बनेगा एमएलसी की चर्चा परवान पर है। वैसे तो 28 जून 2026 को 9 एमएलसी का टर्म समाप्त हो जाएगा, पर इसके साथ एमएलसी की एक सीट पर उप चुनाव भी होंगे, जो मंगल पांडेय के विधायक बनने के बाद रिक्त हुई थी। कौन बनेगा एमएलसी की दावेदारी के दौर के बीच विधायकों की संख्या के अनुसार, इतना तो इतना तो तय हो गया है कि इन 9 रिक्त एमएलसी के पदों के लिए चार बीजेपी , चार जदयू और एक राजद से एमएलसी बनेंगे।

अप्रैल 2022 में, किशोर ने सोनिया गांधी के आवास पर की थी मुलाकात

किशोर का कांग्रेस नेतृत्व से जुड़ाव 2021 से शुरू हुआ, जब उन्होंने जनता दल (यूनाइटेड) छोड़ दिया था। अप्रैल 2022 में, किशोर ने सोनिया गांधी के आवास पर आयोजित एक बैठक में कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष एक विस्तृत पुनरुद्धार योजना प्रस्तुत की, जिसमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी उपस्थित थे। उस समय, किशोर को पार्टी के प्रस्तावित सशक्त कार्य समूह में भूमिका की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि कांग्रेस को सीमित संगठनात्मक भूमिकाओं के बजाय संरचनात्मक सुधारों और निर्णायक नेतृत्व की आवश्यकता है। इस असहमति के कारण दोनों के रास्ते अलग हो गए, और किशोर बाद में पार्टी के एक मुखर आलोचक के रूप में उभरे। हालांकि, प्रियंका गांधी के साथ चुनाव के बाद हुई मुलाकात से संकेत मिलता है कि संवाद के रास्ते खुले हैं। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि चर्चा बिहार की राजनीति, विपक्ष की रणनीति और भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं पर केंद्रित थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ये बातचीत किसी औपचारिक सहयोग में तब्दील हो पाएगी या नहीं।

उप चुनाव में बाजी किसके हाथ लगेगी

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के सिवान से विधायक बनते ही उनके एमएलसी का कार्यकाल बीच में ही समाप्त हो गया। अभी भी मंगल पांडेय का चार वर्षों का कार्यकाल बचा हुआ है। ऐसे में यहां उप चुनाव होंगे। इस सीट को लेकर चर्चा यह है कि रालोमो से मंत्री बने दीपक प्रकाश को एमएलसी बनाया जा सकता है। ऐसा इसलिए कि दीपक प्रकाश किसी भी सदन में नहीं हैं। मंत्री रहने के लिए छह माह के भीतर किसी दल का सदस्य होना जरूरी है। इसलिए रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा से किए गए वादों को पूरा किया जाएगा।

किसका समाप्त हो रहा है कार्यकाल

वैसे एमएलसी जिनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें जदयू की डॉ कुमुद वर्मा, प्रो गुलाम गौस, भीसम साहनी, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, भाजपा के संजय प्रकाश, सम्राट चौधरी, भाजपा के अलावा राजद के मो फारुक, डॉ सुनिल कुमार सिंह और कांग्रेस के डॉ समीर कुमार सिंह हैं। नए विधायकों की संख्या के आधार पर चार जदयू और चार भाजपा को मिलेगी तो एक राजद को।

भाजपा में चर्चा जोरों पर

भले अभी एमएलसी की सीट खाली होने में काफी वक्त है। पर बीजेपी में अभी से सेटिंग शुरू हो गई है। भाजपा के पास फिलहाल 89 विधायक हैं। इन संख्या के हवाले से चार लोगों (एमएलसी) को विधान परिषद भेजा जा सकता है। जातीय तुष्टिकरण के हिसाब से जो चर्चा है, उसके हिसाब से मंत्रिमंडल बनने के बाद कुर्मी, ब्राह्मण और राजपूत जाति सबसे उपेक्षित रहे हैं। कुर्मी से एक भी मंत्री नहीं बने हैं। राजपूत और ब्राह्मण से एक एक मंत्री ही बने हैं। संभव है कि इनमें से किसी एक सक्रिय नेता को विधान परिषद भेजा जाए। एक एमएलसी तो अतिपिछड़ा से भी भेजा जा सकता है। पर इन जातियों में किसे भेजा जाएगा, यह अभी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय नहीं बना है। उधर जनता दल यू से भी चार एमएलसी भेजे जाने हैं, पर अभी वहां चर्चा नहीं छिड़ी है। राजद तो अभी हार के सदमे से ऊपर निकल ही नहीं।

प्रियंका गांधी से क्यों मिलने पहुंच गए प्रशांत किशोर

चुनाव रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर बिहार विधानसभा चुनाव में जन सूरज पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एक बार फिर राजनीतिक चर्चाओं में छा गए हैं। किशोर ने हाल ही में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ एक बंद कमरे में बैठक की, जिससे राजनीतिक गलियारों में नई अटकलें लगने लगी हैं। प्रशांत किशोर का गांधी परिवार से रिश्ता नया नहीं है। 2021 में जेडीयू से अलग होने के बाद, किशोर ने कांग्रेस

नेतृत्व के सामने पार्टी को पुनर्जीवित करने की योजना प्रस्तुत की थी। अप्रैल 2022 में सोनिया गांधी के आवास पर हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद थे। उस समय किशोर कांग्रेस में शामिल होने के लिए तैयार थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें सशक्त कार्य समूह का हिस्सा बनने का प्रस्ताव दिया था। सूत्रों ने बताया कि बैठक लगभग दो घंटे तक चली, हालांकि दोनों पक्षों ने इसके महत्व को कम आंकने की कोशिश की है और इसे एक नियमित बातचीत बताया है। किशोर की जन सूरज पार्टी की करारी चुनावी हार के बाद यह मुलाकात हुई है। बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 238 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन एक भी सीट जीतने में नाकाम रही और 236 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। कांग्रेस का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा और उसने 61 सीटों में से सिर्फ छह सीटें जीतीं। किशोर की प्रियंका गांधी से बातचीत ने उनकी राजनीतिक रणनीति में संभावित बदलाव को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर तब जब उन्होंने बिहार चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस से स्पष्ट दूरी बनाए रखी थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कब रूकेगा शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़

भारत के कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी विषय पढ़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के साल 2024-25 के आधिकारिक डेटा के मुताबिक देश के कुल 1,04,125 स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं एवं सभी विषयों को पढ़ा रहे हैं। यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता ही नहीं रहा है बल्कि चिन्ताजनक स्थिति को बयां कर रहा है। ये आंकड़े हमारे शैक्षणिक विकास पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं। शिक्षा किसी राष्ट्र की आत्मा होती है। अब तो चर्चा हो रहीं है कि शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ कब रूकेगा। स्वामी विवेकानंद का यह वाक्य आज भारत की शिक्षा व्यवस्था पर एक कसक बनकर उभरता है। जब शिक्षा की आत्मा घायल होती है तो राष्ट्र का शरीर कभी स्वस्थ नहीं रह सकता। अभी कु छ महीने पहले यूपी में सरकारी स्कूलों की बंदी पर बहुत बवाल मचा था। बाद में दबाव के बाद यूपी सरकार ने ये फै सला टाल दिया। सरकार का दावा था कि छात्रों की संख्या कम थी। हालांकि ऐसी समस्या देश के लगभग हर राज्य में है। कहीं तो बच्चे हैं तो शिक्षको ं की कमी है।

ये नाकामी 11 साल से सत्ता में बैठी मोदी सरकार के दावे की कलई भी खोल रही है। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि एकल शिक्षक स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाना एक भ्रष्टाचार ही है। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? यह स्थिति किसी एक आंकड़े की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की गहरी त्रासदी की तस्वीर है। शिक्षा के प्रति यह उपेक्षा हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं।

“ शिक्षा किसी राष्ट्र की आत्मा होती है। अब तो चर्चा हो रहीं है कि शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ कब रूकेगा। स्वामी विवेकानंद का यह वाक्य आज भारत की शिक्षा व्यवस्था पर एक कसक बनकर उभरता है। जब शिक्षा की आत्मा घायल होती है तो राष्ट्र का शरीर कभी स्वस्थ नहीं रह सकता।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राष्ट्रीय एकता का वाहक बने स्वतंत्रता का अस्त्र

विश्वनाथ सचदेव

'बेकार की बहस मत करो' यह पांच शब्द शायद ही किसी ने न सुनें या न बोले होंगे। इस बहस का सीधा-सा मतलब किसी विवादास्पद विषय पर विचार-विमर्श करके एक स्वीकार्य नतीजे पर पहुंचना होता है। हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में संसद अथवा विधानसभाओं में जब बहस की जाती है तो इसके मूल में कोई ऐसा विषय होता है जो विवादास्पद हो, जिस पर विचार करने वालों में विवाद हो। तब विषय पर संवाद करके किसी एक नतीजे पर पहुंचने की कोशिश की जाती है। लेकिन, जब विवाद की स्थिति ही न हो, किसी विषय पर मतभेद हो ही नहीं तो फिर बहस क्यों? उस दिन जब संसद में हमारे 'राष्ट्रीय गीत' को लेकर बहस हो रही थी तो एक सवाल बार-बार मन में उठ रहा था यह बहस हो क्यों रही है? 'वंदे मातरम्' हमारी आजादी की लड़ाई का महामंत्र था, हमारे पूर्वजों ने इस मंत्र को हथियार बनाकर यह लड़ाई जीती थी।

फिर जब संविधान-सभा में राष्ट्रगान को लेकर विचार हो रहा था तो सदस्यों ने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की रचना 'जन-गण-मन' को 'राष्ट्रगान' के रूप में स्वीकारा और बंकिम चंद्र चटर्जी की रचना 'वंदे मातरम्' के प्रारंभिक अंश को 'राष्ट्रगीत' की मान्यता दी गयी। आजादी की लड़ाई के दौरान भी यह राष्ट्रगीत गाया जाता था और बाद में भी इसे राष्ट्रगान के समकक्ष ही सम्मान दिया गया। आजादी की लड़ाई का साझा मंच थी कांग्रेस। कांग्रेस के हर अधिवेशन में तब भी, और अब भी, इसे पूरे सम्मान के साथ गाया जाता है। फिर 'बहस' किस बात की है? आज से डेढ़ सौ साल पहले, बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस गीत की रचना की थी, जिसे बाद में उन्होंने अपने उपन्यास 'आनंदमठ' में भी जोड़ा। देखते ही देखते यह 'वंदे मातरम्' हमारी आजादी की लड़ाई का महामंत्र बन गया। इस मंत्र की शक्ति और लोकप्रियता ने अंग्रेजों को दहला दिया था। उन्होंने इस 'जयघोष' पर ही प्रतिबंध लगा दिया। प्रतिबंध ने इसे और ताकतवर बनाया।

कोड़े बरसते रहे, वंदे मातरम् का जयघोष गूंजता रहा। डेढ़ सौ साल पहले लगा यह जयघोष आज भी उतना ही ताकतवर और महत्वपूर्ण है। महत्वपूर्ण है यह जानना कि 'जन गण मन' को राष्ट्रगान और 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रगीत घोषित करके इस बारे में भ्रम के इस अध्याय को समाप्त कर दिया गया था। इसीलिए वंदे मातरम् की महान रचना का 150वां साल मनाना तो समझ में आता है, पर इस पर 'बहस' किस बात

की? इस 'बहस' की मांग सत्तारूढ़ पक्ष की ओर से की गयी थी। होना तो यह चाहिए था कि इस अवसर का उपयोग उन स्वतंत्रता- सेनानियों को श्रद्धांजलि देकर उनके प्रति कृतज्ञता-ज्ञापन के लिए किया जाता; यह संकल्प लिया जाता कि हम उन सेनानियों के बलिदान को कभी भी व्यर्थ नहीं जाने देंगे; उनके सपनों को साकार करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। यह कि संसद में राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करने वाले हमारे सांसदों ने इसे राजनीतिक लाभ उठाने का अवसर बना दिया! यह अवसर मिल-जुल कर उत्सव मनाने का था, दुर्भाग्य ही है कि हमारे नेताओं ने इसे एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने तक ही सीमित करके रख दिया। अवसर था कि हमारे नेता इस राष्ट्रगीत की महत्ता समझाते, यह बताते कि कैसे इस गीत के दो शब्दों 'वंदे मातरम्' ने देश में आजादी की लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक ला पहुंचाया था। यह अवसर था कि देश की युवा पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति समर्पण का अहसास कराया जाता। यह अवसर था कि भावी पीढ़ियों के लिए इस आशय का संदेश छोड़ा जाता कि कैसे सारा देश डेढ़ सौ साल पहले एक गीत के माध्यम से एकजुट हो गया था। पर संसद में हुई 'बहस' में ऐसा कुछ नहीं दिखा-दिखा तो सिर्फ यह कि राजनेता राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर सोचना ही नहीं चाहते। सत्तारूढ़ पक्ष सारा समय यही शिकायत करता रहा कि गीत के टुकड़े करके देश को तोड़ दिया गया और विपक्ष यही बताता रहा कि कैसे सत्तारूढ़ पक्ष के पूर्वजों ने अंग्रेजों का साथ देकर आजादी की लड़ाई के साथ 'विश्वासघात' किया था! पीएम ने बहस की शुरुआत करते हुए यह कहना जरूरी क्यों समझा कि वंदे मातरम् गीत के टुकड़े करके नेहरू ने गीत को कमजोर बना दिया।

यह कहना भी जरूरी समझा कि गीत के कुछ हिस्से हटाने से इस निर्णय ने देश के बंटवारे के बीज बो दिये थे। इतिहास साक्षी है कि 'आनंदमठ' में दिये गये लंबे गीत को 'राष्ट्रगीत' बनाने के लिए उसे कुछ संक्षिप्त करने का निर्णय जवाहरलाल नेहरू ने नहीं, कांग्रेस की एक समिति ने लिया था और इस समिति में महात्मा गांधी, सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस, राजेंद्र प्रसाद, अबुल कलाम आजाद, सरोजिनी नायडू जैसे अन्य लोग भी थे। हकीकत यह भी है कि गीत को संक्षिप्त करने का निर्णय लेने से पहले गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर से भी परामर्श किया गया था और उन्होंने भी इस निर्णय से सहमति व्यक्त की थी।

डीपसीक गाथा में भारत के लिए मौजूद सबक

दिनेश सी शर्मा

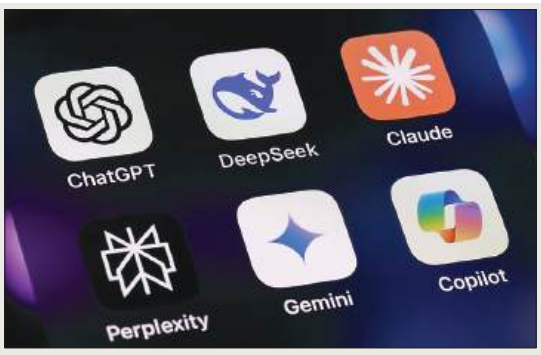

इस वर्ष जनवरी में, एक अल्पज्ञात चीनी स्टार्टअप ने नाटकीय घोषणा की, जिसने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की दुनिया को हिला दिया। कंपनी थी 'डीपसीक', जिसने अपने लार्ज लेंग्वेज मॉडल यानी एलएलएम को अमेरिकी तकनीकी दिग्गजों, जैसे कि चैट जीपीटी के विकसित मॉडलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए जारी किया। जिस चीज ने सब को हैरान किया, वह था इसको विकसित करने में आई बेहद कम लागत, यह सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करके सिलिकॉन वैली के दिग्गजों द्वारा विकसित किए एआई की तुलना में अंश मात्र है। इस नई घटना ने दुनिया को दिखा दिया कि एआई क्षेत्र में चीन बहुत आगे है और अमेरिका तकनीकी विकास में एकमात्र प्रभावी शक्ति नहीं रहा। अब, विज्ञान पत्रिका 'नेचर' ने डीपसीक के संस्थापक लियांग वेनफेंग को 2025 के दौरान वैश्विक स्तर के प्रमुख वैज्ञानिक विकास के पीछे के शीर्ष 10 लोगों में नामित किया है।

डीपसीक का सामान्य उद्देश्य 'वी-3 मॉडल' और उन्नत मॉडल, 'आर-1' ने केवल सनसनीखेज सुर्खियां बटोरी बल्कि करीब एक वर्ष में एआई परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव भी लाए हैं। 'आर-1' एक तर्कशील एलएलएम है जो गणित और कोडिंग में जटिल कार्यों को संभाल सकता है। चीनी फर्म ने अमेरिकी कंपनियों से एक कदम आगे बढ़ते हुए डीपसीक को एक ओपन मॉडल बना दिया, जिसके तहत शोधकर्ताओं को विभिन्न क्षेत्रों के लिए मॉडल के एल्गोरिद्म अपने अनुसार अनुकूलित करने की अनुमति है। कंपनी ने यह राज भी खोला कि वह 'प्रशिक्षण' लागत इतनी कम कैसे रख पाई। सभी एलएलएम को पहले विशाल मात्रा में डेटा भरना पड़ता है या उन्हें कुशल बनाने के लिए 'डेटा-प्रशिक्षित' करना पड़ता है। एक उद्योग सर्वेक्षण से पता चला है कि इस वर्ष चीनी मॉडल एआई बाजार में तेजी से आगे बढ़े हैं, जिसकी बदौलत वे इस तकनीक के वैश्विक उपयोग का एक-तिहाई हिस्सा बन चुके हैं। टोकन वॉल्यूम में इंग्लिश के बाद चीनी भाषा के प्रॉम्प्ट दूसरे स्थान पर हैं। यह दर्शाता है, चीनी मॉडल वैश्विक स्तर पर अच्छा कर रहे हैं और चीन के भीतर भी व्यापक रूप से उपयोग किए जा रहे।

टोकन डेटा की वे इकाइयां हैं जिन्हें एआई मॉडल द्वारा ट्रेनिंग और अनुमान के दौरान संसाधित किया जाता है व ये भविष्यवाणी, सृजन और तर्क को सक्षम करने में मदद करते हैं। डीपसीक की धूमधाम के तुरंत बाद, भारत ने भी बुनियादी मॉडल विकसित करने के लिए परियोजनाओं का एक समुच्चय घोषित किया, जिसमें एलएलएम, लघुभाषा मॉडल और भारतीय आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त समस्या-विशिष्ट एआई समाधान शामिल हैं। इस योजना में 'डिजिटल इंडिया भाषिणी' (भारतीय भाषाओं के लिए एआई भाषा अनुवाद प्लेटफॉर्म), भारतजेन (सार्वजनिक सेवा वितरण के लिए मल्टीमॉडल एलएलएम), सर्वम-1 एआई मॉडल (10 भारतीय भाषाओं के लिए एलएलएम), चित्रलेखा (वीडियो ट्रांसक्रिएशन प्लेटफॉर्म) और 'हनुमान'स एवरेस्ट' 1.0 (35 भारतीय भाषाओं के लिए बहुभाषाई एआई प्रणाली) का विकास करना शामिल है।

प्रौद्योगिकी संस्थानों का संघ यानी 'भारतजेन' मुख्यालय आईआईटी-बॉम्बे में स्थापित किया गया है; इसे विभिन्न मंत्रालयों से वित्त पोषण के साथ 'संप्रभु बहुभाषी एलएलएम' विकास का कार्य सौंपा गया, जिसमें राष्ट्रीय एआई मिशन से 980 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह वित्तीय मदद भारतजेन को एलएलएम विकसित करने के लिए राष्ट्रीय लक्ष्य के रूप में पहला ऐसा उद्यम बनाती है। चूंकि भारतीय घोषणा डीपसीक के ऐलान के तुरंत बाद आई, भारतजेन को चीनी पहल के सीधे जवाब के रूप में देखा गया। हालांकि, महत्वपूर्ण अंतर हैं। डीपसीक एक व्यावसायिक उद्यम है, जो स्टार्टअप मोड में निर्मित है और जिसका मंतव्य वैश्विक बाजारों में उपयोग है। वहीं, भारतजेन रणनीतिक राष्ट्रीय मिशन है, जो पूरा सरकार द्वारा वित्त पोषित होगा और तकनीकी संप्रभुता प्राप्ति पर केंद्रित है। चैट जीपीटी और डीपसीक जैसे वैश्विक मॉडलों की प्रमुख चुनौती भारत की जटिल भाषाई व सांस्कृतिक विविधता समझना है। भारतजेन यह अंतर भरने का प्रयास करेगा क्योंकि इसे भारतीय-विशिष्ट डेटा की विशाल मात्रा पर प्रशिक्षित किया जाएगा।

डीपसीक के मॉडल सामान्य उद्देश्य के हैं और वैश्विक उपभोग के लिए बनाए हैं, जबकि भारतजेन भारत-विशिष्ट होगा। सबसे बड़ा अंतर यह है कि डीपसीक पहले से बाजार में है, जबकि भारतजेन ने अभी ठोस समय सीमा की घोषणा नहीं की। चैट जीपीटी, डीपसीक और अन्य ऐसे एलएलएम मॉडल विकसित करने वाली कंपनियों के विपरीत, भारतजेन वाणिज्यिक उद्यम नहीं। इसे इस महीने आईआईटी-बॉम्बे द्वारा एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में पंजीकृत किया गया। भले यह पूरी तरह सरकारी वित्तपोषित है, तथापि यह एक कॉर्पोरेट इकाई होगा। आईआईटी प्रोफेसर गणेश रामकृष्णन जो भारतजेन टेक्नोलॉजी फाउंडेशन के प्रमुख हैं, ने स्पष्ट किया कि एआई मॉडल को प्रयोगशाला से बाजार में लाया जा सके इसके लिए स्वायत्तता और संचालन लचीलापन आवश्यक है। भारतजेन दिलचस्प उदाहरण है जिसे 'सरकारी उद्यमिता' कहा जा सकता है-1970 और 1980 के दशक का एक मॉडल। उस समय के दो सफलतम तकनीकी उद्यम -कंप्यूटर मेंटेनेंस कॉर्पोरेशन (सीएमसी) और सेंटर फॉर टेलीमैटिक्स (सी-डॉट)- ने इस मॉडल का पालन किया।

कम खर्च में इन जगहों की करें यात्रा

हम में से ज्यादातर लोग हवाई जहाज में बैठकर किसी नए देश की सैर करने का सपना देखते हैं, लेकिन आसमान छूते खर्चों का ख़याल अक्सर हमें हक़ीक़त की ओर ले जाता है। तो दुनिया घूमने के लिए आपको अमीर होने की ज़रूरत नहीं है। सही योजना, समझदारी भरे फैसले और थोड़े लचीलेपन के साथ आप अपनी जेब ढीली किए बिना ही शानदार जगहों की सैर कर सकते हैं। इसलिए अगर आप खर्च की वजह से अपनी अगली छुट्टी टाल रहे हैं, तो अब दोबारा सोचने का समय आ गया है। भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में कई ऐसी जगहें हैं जहां आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए या बिल्कुल मुफ्त घूम सकते हैं। अगर आप उसी शहर में रहते हैं तो परिवहन या ठहरने आदि पर भी खर्च नहीं करना पड़ेगा। अपने शहर के कुछ मशहूर पर्यटन स्थलों को आप बिना पैसे खर्च किए घूमने जा सकते हैं। भारत की कुछ ऐसी बेहतरीन जगहें हैं जहां आप कम बजट में यादगार सफर कर सकते हैं।

ऋषिकेश और हरिद्वार

उत्तराखंड का ऋषिकेश और हरिद्वार भारत के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। गंगा किनारे बैठकर ध्यान करना या ऋषिकेश के घाटों पर होने वाली गंगा आरती देखना बिल्कुल फ्री है। यहां योग और अध्यात्म का अनुभव होता है। अगर आप रोमांच पसंद करते हैं, तो यहां की ट्रेकिंग ट्रेल्स भी मुफ्त उपलब्ध हैं।

लोटस टेंपल

राजधानी दिल्ली में रहने वाले इंडिया गेट, लोटस टेंपल और जंतर मंतर जैसी कई जगहें मुफ्त में घूम सकते हैं। पुरानी दिल्ली की गलियों में घूमते हुए आप भारत की असली धड़कन महसूस कर सकते हैं। फोटोग्राफी प्रेमियों के लिए यह जगह खजाना है। इन पर्यटन स्थलों को देखने के लिए विदेशी पर्यटक भी आते हैं, लेकिन आप इन जगहों की सैर मुफ्त में कर पाएंगे।

वाराणसी के घाट

उत्तर प्रदेश में गंगा किनारे स्थित वाराणसी को दुनिया का सबसे पुराना जीवित शहर कहा जाता है। बनारस के घाट दुनिया भर में मशहूर हैं। यहां लोग गंगा घाट पर बैठने, गंगा आरती में बैठने, संकरी गलियों में घूमने आ सकते हैं, वो भी मुफ्त में। संस्कृति और अध्यात्म का अनुभव करने के लिए यह बेस्ट डेस्टिनेशन है।

गोवा के बीच

गोवा का नाम सुनते ही महंगे होटल और पार्टियों की छवि आती है, लेकिन यहां के बीचेस पर घूमना बिल्कुल मुफ्त है। सूर्यास्त देखना, रेत पर बैठना और समुद्र की लहरों का आनंद लेने के लिए आपको कुछ खर्च करने की जरूरत नहीं।

स्वर्ण मंदिर

पंजाब के अमृतसर में स्थित स्वर्ण मंदिर विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है, जो न सिर्फ आध्यात्मिक बल्कि शांति का भी प्रतीक है। यहां का प्रवेश पूरी तरह निशुल्क है और लंगर में हर यात्री को मुफ्त भोजन मिलता है। यह जगह आत्मा को सुकून और दिल को सच्ची खुशी देती है।

हंसना मना है

पति - मुन्ना कब से रो रहा है। इसे लोरी सुना कर सुला क्यों नहीं देती? पत्नी -लोरी सुनाती हूं तो पड़ोसी कहते हैं कि भाभी जी इससे अच्छा तो मुन्ने को ही रोने दो।

कुछ बदमाश लड़कों ने कॉलेज के नोटिस बोर्ड पर लिख दिया 50 प्रतिशत लड़कियां बेवकूफ होती हैं, लड़कियों ने ये देखा तो उन्हें बहुत बुरा लगा, उन्होंने कॉलेज में हंगामा खड़ा कर दिया। कॉलेज प्रबंधन ने तुरंत उस नोटिस को निकलवाया और उसकी जगह नया नोटिस लगवाया। 50 प्रतिशत लड़कियां बेवकूफ नहीं होती हैं तब जाकर लड़कियों का गुस्सा शांत हुआ।

बाप: तुम मेरी बेटी को कबसे प्यार करते हो? लड़का: 7 महीनों से। बाप: लेकिन मैं यकीन कैसे करूं? लड़का: और 2 महीने रुक जाओ। पता चल जाएगा।

लड़की-कृपया मुझे सीट दे दो? लड़का -क्यूं दे दूं? लड़की-अरे लड़की खड़ी है, सीट भी नहीं दे सकते क्या? लड़का -आप मुझसे शादी कर लो? लड़की -किस खुशी में कर लूं? लड़का-लड़का कुंवारा घूम रहा है, शादी भी नहीं कर सकती क्या?

कहानी | भूखी चिड़िया

सालों पहले एक घंटाघर में टींकू चिड़िया अपने माता-पिता और 5 भाइयों के साथ रहती थी। टींकू चिड़िया छोटी सी थी। उसके पंख मुलायम थे। उसकी मां ने उसे घंटाघर की ताल पर चहकना सिखाया था। घंटाघर के पास ही एक घर था, जिसमें पक्षियों से प्यार करने वाली एक महिला रहती थी। वह टींकू चिड़िया और उसके परिवार के लिए रोज रोटी का टुकड़ा डालती थी। एक दिन वह बीमार पड़ गई और उसकी मौत हो गई। टींकू चिड़िया और उसका पूरा परिवार उस औरत के खाने पर निर्भर था। अब उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं था और न ही वो अपने लिए खाना जुटाने के लिए कुछ करते हैं। एक दिन भूख से बेहाल होने पर टींकू चिड़िया के पिता ने कीड़ों का शिकार करने का फैसला किया। काफी मेहनत करने के बाद उन्हें 3 कीड़े मिले, जो परिवार के लिए काफी नहीं थे। वे 8 लोग थे, इसलिए उन्होंने टींकू और उसके 2 छोटे भाइयों को खिलाने के लिए कीड़े साइड में रख दिए। इधर, खाने की तलाश में भटक रही टींकू, उसके भाई और उसकी मां ने एक घर की खिड़की में चोंच मारी, ताकि कुछ मिल जाए, लेकिन कुछ नहीं मिला। उल्टा घर के मालिक ने उनपर राख फेंक दी, जिससे तीनों भूरे रंग के हो गए। उधर, काफी तलाश करने के बाद टींकू के पिता को एक ऐसी जगह मिली, जहां काफी संख्या में कीड़े थे। उनके कई दिनों के खाने का इंतजाम हो चुका था। वह जब खुशी-खुशी घर पहुंचा, तो वहां कोई नहीं मिला। वह परेशान हो गया। तभी टींकू चिड़िया, उसका भाई और मां वापस लौटे, तो पिता उन्हें पहचान नहीं पाए और गुस्से में उन्होंने सबको भगा दिया। टींकू ने पिता को समझाने की काफी कोशिश की। उसने बार-बार बताया कि किसी ने उनके ऊपर रंग फेंका है, लेकिन टींकू के हाथ असफलता ही लगी। उसकी मां और भाई भी निराश हो गए, लेकिन टींकू ने हार नहीं मानी। वह उन्हें लेकर तालाब के पास गई और नहलाकर सबकी राख हटा दी। तीनों अब अपने पुराने रूप में आ गए। अब टींकू के पिता ने भी उन्हें पहचान लिया और माफी मांगी। अब सब मिलकर खुशी-खुशी एक साथ रहने लगे। उनके पास खाने की भी कमी नहीं थी।

7 अंतर खोजें

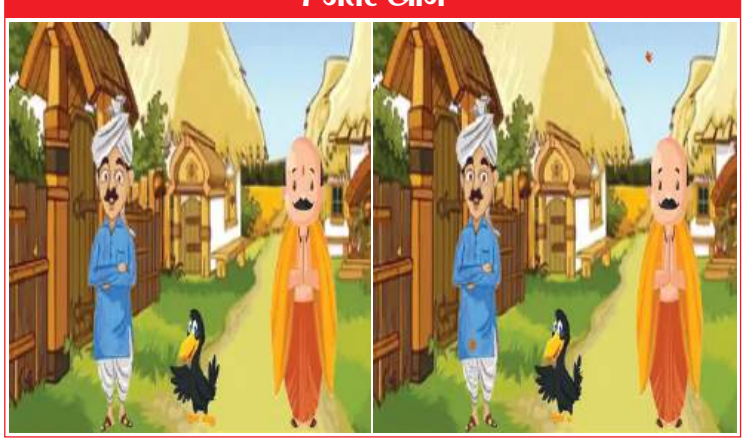

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

वृषभ स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें। आय बनी रहेगी।

मिथुन घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है।

कन्या बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा।

तुला सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। व्यापार ठीक चलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु यात्रा मनोरंजक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। नए मित्र बनेंगे।

मकर अनावश्यक जोखिम न लें। किसी भी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग उभर सकता है। सेहत को प्राथमिकता दें। चंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

मीन घर-परिवार के साथ आराम तथा मनोरंजन के साथ समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। विरोध होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

दूसरी शादी करने को तैयार हैं महिमा चौधरी

महिमा चौधरी की हाल ही में दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी रिलीज हुई। फिल्म को भले ही बॉक्स ऑफिस पर खास रिस्पॉन्स नहीं मिला, लेकिन कहानी की खूब तारीफ हुई। फिल्म में 52 साल की महिमा की दूसरी शादी होती है। लेकिन रियल लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस असल में दूसरी बार घर बसाने को तैयार हैं। हाल ही में उन्होंने इस बारे में बात की। महिमा की एक बेटी है- अरियाना चौधरी। उन्होंने बताया कि उम्र के इस पड़ाव पर वो जरूर दूसरी शादी के बारे में सोचती हैं। वो भी तब जब वो लोगों की आंखों में फिल्म देखने के बाद एक अलग उम्मीद देख रही हैं। इस बारे में चर्चा होती देख रही हैं। महिमा बताती हैं कि भले ही उनकी पहली शादी चल नहीं पाई लेकिन उनका इस बंधन पर से विश्वास नहीं उठा है। उन्हें मौका मिला तो वो जरूर ये करना चाहेंगी। लेकिन इस मामले में अब भी एक अड़चन है। महिमा ने शादी को लेकर बात की और कहा- मैंने अपने माता-पिता की लंबी शादी देखी थी और उसमें इतना प्रेम था, तो मैं तलाक के बारे में सोचती ही नहीं थी। मैं जब भी किसी के डिवोर्स के बारे में सुनती थी, तो मुझे लगता शायद किसी एक ने इस शादी को बचाने की उतनी कोशिश नहीं की होगी। मैं इनकी जगह होती तो बहुत ट्राई करती। मगर जब मुझ पर बीती तो अहसास हुआ। मैं तब उतनी मजबूत नहीं थी, मगर हां, मेरे पास एक सपोर्टिव फैमिली थी। मेरी मां ने मुझे सपोर्ट किया। मेरी नानी ने मुझे हिम्मत दी। वो बोलीं कि ठीक है, बच्चे हम पाल लेंगे। महिमा ने आगे बताया कि वो शादी करना चाहती हैं लेकिन इसमें एक रुकावट है। वो बोलीं- अभी तक मेरा तलाक नहीं हुआ है। मेरा डिवोर्स पेंडिंग है। मगर दोबारा शादी करने के बारे में बिलकुल सोचती हूं मैं, और अब तो और ज्यादा सोच रही हूं, जबसे मेरी इस फिल्म की शादी वाला फोटो वायरल हुआ है। लोग मेरी दूसरी शादी की उम्मीद कर रहे हैं। मैं उन लोगों में से हूं, जो एक बार में हार नहीं मानते। मैं शादी के बंधन में यकीन करती हूं।

नमित मल्होत्रा की रामायण में हनुमान बनेंगे सनी देओल

बॉलीवुड | चर्चा

सनी देओल ने 2023 में गदर 2 से जबसे कमबैक किया है, उनके हाथ एक के बाद एक प्रोजेक्ट्स लगते जा रहे हैं। एक्टर के पास पहले से ही कई शानदार फिल्में पाइपलाइन में हैं। सनी देओल माइथोलॉजिकल फिल्म रामायण में भी नजर आने वाले हैं जिसमें वो भगवान हनुमान का रोल करेंगे। वहीं अब एक्टर के हाथ एक और माइथोलॉजिकल फिल्म लगती दिखाई दे रही है।

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि रामायण के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा भगवान हनुमान पर बेस्ड एक म्यूजिकल फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। इस फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए सनी देओल मेकर्स की टॉप चॉइस हैं। उनका मानना है कि इस किरदार के लिए उनसे बेहतर कोई नहीं हो सकता। इस फिल्म को एक्शन से भरपूर पौराणिक-पॉप ओपेरा बताया जा रहा है। उनसे बेहतर ये भूमिका कौन निभा सकता है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भगवान हनुमान पर बेस्ड ये म्यूजिकल फिल्म रामायण यूनिवर्स की दूसरी बड़ी फिल्म होगी। सूत्र ने बताया-रामायण में हनुमान के सीन्स की शुरुआती स्क्रिप्ट देखते ही टीम को पता चल गया था कि उन्हें अपना अलग प्लेटफॉर्म चाहिए। और सनी पाजी का नाम बार-बार सामने आ रहा था क्योंकि उनसे बेहतर ये भूमिका कौन निभा सकता है, क्योंकि वो ओरिजिल रामायण का भी हिस्सा हैं। कहा ये भी जा रहा है कि मेकर्स पौराणिक कथाओं, म्यूजिक, जबरदस्त एक्शन सीन्स, हवाई युद्ध, मशालों से सजी नृत्यकला और एक 12 मिनट के वॉर सॉन्ग को मिलाकर एक शानदार परफॉर्मेंस देने के बारे में सोच रहे हैं। इनकी कहानी एवेंजर्स की तरह आपस में जुड़ी होगी, कैरेक्टर्स और क्रॉसओवर होंगे। अगर सबकुछ प्लानिंग के हिसाब से होता है तो अगले साल के आखिर तक इस म्यूजिकल फिल्म पर काम शुरू हो सकता है।

बता दें कि सनी देओल आखिरी बार जाट में दिखाई दिए थे। अब वो फिल्म बॉर्डर 2 में नजर आएंगे जो कि 22 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। इसके अलावा एक्टर के पास लाहौर 1947, जाट 2, इक्का और रामायण जैसे प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं।

रजनीकांत की फिल्म जेलर-2 में अपनी ऐक्टिंग का तड़का लगाएंगी विद्या बालन

रजनीकांत कुली के बाद, एक और पैन इंडिया फिल्म में नजर आने वाले हैं। वो अपनी हिट तमिल फिल्म जेलर का सीक्वल लेकर आ रहे हैं, जिसमें साउथ के साथ बॉलीवुड एक्टर्स का भी तड़का है। मिथुन चक्रवर्ती इस फिल्म के मेन विलेन के रूप में नजर आएंगे। अब उनके अलावा एक और बॉलीवुड स्टार इस फिल्म से जुड़ चुका है।

पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस विद्या बालन रजनीकांत की जेलर 2 में शामिल हुई हैं। इसमें पहले से ही साउथ के कई बड़े दिग्गज नजर आने वाले हैं। ऐसे में मेकर्स ने जेलर 2 को एक अलग लेवल पर लेकर जाने के लिए विद्या बालन को भी कास्ट किया है, जो अपने किरदार से कहानी में नए दिलचस्प मोड़ लेकर आएंगी।

रिपोर्ट में लिखा है, विद्या बालन ने हाल ही में जेलर 2 मूवी के लिए हां कह दिया है और उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई है। उनका रोल कहानी में बहुत अहम है। वो एक मजबूत और गहरी परतों वाली रोल निभा रही हैं, जो फिल्म में बड़ा ट्विस्ट लाएगी। उनके आने से फिल्म में और जोरदारपन आएगा, और वो जेलर 2 के सबसे महत्वपूर्ण किरदारों में से एक होंगी।

पिंकविला की रिपोर्ट में आगे जेलर 2 की रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है। उनके मुताबिक, फिल्म 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी। हालांकि ये रिलीज डेट अभी फाइनल नहीं है। मालूम हो कि सुपरस्टार रजनीकांत की पिछली दो बड़ी फिल्में कुली और जेलर अगस्त महीने में ही रिलीज हुई थीं। जेलर ने जहां बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की थी, वहीं कुली उस मामले में थोड़ी कमजोर रही।

अजब-गजब | दुनिया का अनोखा गांव, जिसमें रहते थे सैकड़ों लोग

जमीन के नीचे 200 किमी लंबी सुरंग में बना था यह गांव, यहां स्कूल और क्लीनिक भी थी

भारत में सैकड़ों गांव हैं। आप कभी न कभी, किसी न किसी गांव में गए ही होंगे। इन तमाम गांवों में हरियाली, पेड़-पौधे, कच्चे-पक्के मकान, मवेशी आदि नजर आ जाते हैं। पर दुनिया में एक ऐसा भी गांव रहा है, जो आसमान की छांव में नहीं, जमीन के नीचे रहा है। इस गांव में कभी सैकड़ों लोग रहते थे। जमीन के नीचे ये गांव करीब 200 किलोमीटर लंबी सुरंग में बना था और नीचे ही स्कूल-अस्पताल जैसी सुविधाएं भी मौजूद थीं। आखिर ये कौन सा गांव है और कहां पर है। आइए आपको इसके बारे में सबकुछ बताते हैं।

इंस्टाग्राम यूजर सारा एक ट्रैवल कंटेंट क्रिएटर हैं। उन्होंने हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो दुनिया के एक अनोखे गांव के बारे में जानकारी दे रही हैं। दरअसल, ये गांव वियतनाम के कू-ची टनल हैं। वियतनाम युद्ध के दौरान इसे सैनिकों और अन्य नागरिकों ने छुपने की जगह बनाई थी। वो सालों तक इसके अंदर रहे और अमेरिकी सैनिकों को भनक भी नहीं लगी।

जमीन के नीचे मौजूद इस टनल को इतना संकरा बनाया गया था कि इसमें दुश्मन सैनिक आसानी से न घुस पाएं। इसके अलावा छोटे-छोटे कमरे भी थे जहां पर स्कूल चलता था, अस्पताल थे और जरूरत की अन्य चीजें भी मौजूद थीं। यही नहीं, दुश्मन सैनिकों को चकमा देने के लिए सुरंग थीं और कांटे लगे ट्रैप भी थे जिससे सैनिक उसी में फंस कर मर जाएं। कुछ टनल इतने गहरे थे कि बम तक उन्हें नष्ट नहीं कर पाए। उनमें सूरज की रोशनी तक नहीं जा पाती थी। हवा आने-जाने के लिए छोटे-छोटे छेद बनाए गए थे। आज गांव की जगह पर म्यूजियम बना दिया गया है जहां उसके इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है।

सारा का ये वीडियो वायरल है, इसे 63 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं और कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि क्या वहां पर क्लॉस्ट्रोफोबिया महसूस नहीं होता? एक ने कहा-ये देखकर मुझे सांस नहीं आ रही है। बिना सन लाइट के ये लोग कैसे रहते होंगे। वहीं एक यूजर ने कहा कि इसमें वो घुस ही नहीं पाएगा। ये वीडियो काफी हैरान करने वाला है।

इस नदी में छुपे हैं 1000 शिवलिंग, यहां दर्शन करने के लिए है अनोखी शर्त

भारत देश में अनगिनत खूबसूरत जगहें हैं। ऐसा ही एक रत्न है कर्नाटक का सहस्रलिंग, जो सिरसी शहर में एक मशहूर तीर्थस्थल है। शालमला नदी के किनारे चट्टानों पर बने लगभग 1,000 बारीकी से उकेरे गए शिव लिंगों के लिए मशहूर, सहस्रलिंग देश भर से भक्तों को अपनी ओर खींचता है। यह तीर्थस्थल देश भर से भक्तों को अपनी ओर खींचता है। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो ने सबका ध्यान खींचा है जिसमें सहस्रलिंग की कुदरती खूबसूरती और उसके आस-पास का साफ-सुथरा माहौल दिखाया गया है। क्लिप को इस कैप्शन के साथ शेयर किया गया, 'शिवलिंग से भरी एक नदी- सहस्रलिंग, कर्नाटक। राजा सदाशिव-आर्यवर्मा ने शालमला नदी के किनारे चट्टानों पर इसे खुदवाया था। बताते चलें कि हर लिंग के सामने उसका अपना नंदी है। पानी कम होने पर यह सबसे अच्छा दिखता है। एक दिव्य नजारा दिखता है।' वीडियो में तीर्थस्थल दिखाया गया है जब पानी कम होता है, और शिवलिंग दिखाई देते हैं। कुछ लिंगों के पास माला और फूल दिखाई दे रहे हैं। नदी के पानी के ज़ोर से लिंग या उनके आस-पास नंदी की नक्काशी खराब नहीं हुई है। मौके पर एक साइन भी है, जो लोगों को जगह को साफ़ रखने की चेतावनी देता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई यूज़र इस क्लिप से बहुत इम्प्रेस हुए। एक व्यक्ति ने कहा, 'यह जगह बहुत सुंदर है। पत्थरों पर बने शिवलिंग से भरी दिव्य जगह। एक अन्य यूजर ने नारा लगाया, 'हर हर महादेव!' एक यूज़र ने दावा किया, 'यह नैचुरल है, किसी ने इसे तराशा नहीं है, और ये पत्थर इस ग्रह के नहीं हैं जय काल भैरव।' एक अकाउंट ने चेतावनी देते हुए कहा। कमेंट में लिखा था, 'कुछ सालों में, ये गायब हो जाएंगे। पहले से ही कुछ गायब थे।' टाइम्स ऑफ़ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह तीर्थस्थल महा शिवरात्रि के दौरान भक्तों के लिए एक लोकप्रिय जगह है। सहस्रलिंग के दर्शन तब करना सबसे अच्छा होता है जब पानी का लेवल कम हो, ताकि नक्काशी दिखाई दे।

उमर के बयान पर घमासान

वोट चोरी कांग्रेस का मुद्दा: अब्दुल्ला

» राजद और सपा ने दी सधी हुई प्रतिक्रिया

» सीएम बोले - इंडिया गठबंधन का इससे कोई लेना-देना नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस द्वारा उठाए गए वोट चोरी के मुद्दे से सोमवार को खुद को अलग कर लिया और कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया का इससे कोई लेना-देना नहीं है। इससे एक दिन पहले कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयुक्तों पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वोट चोरी सत्ताधारी पार्टी के डीएनए में है और उसके नेता गद्दार हैं जो लोगों के मतदान के अधिकार को छीनने की साजिश रच रहे हैं और उन्हें सत्ता से हटाया जाना चाहिए।

अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') गठबंधन में एक घटक है। लोकसभा में विपक्षी सांसदों की संख्या के हिसाब से कांग्रेस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है। अनियमितताओं के मुद्दे पर टिप्पणी करने के लिए कहे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा, 'इंडिया' गठबंधन का इससे कोई लेना-देना नहीं है। हर राजनीतिक दल को अपना एजेंडा तय करने की स्वतंत्रता है। कांग्रेस ने वोट चोरी और एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) को अपना मुख्य मुद्दा बनाया है। हम उन्हें कुछ कहने वाले कौन होते हैं? कांग्रेस ने दावा किया है कि उसने वोट चोरी के खिलाफ लगभग छह करोड़ हस्ताक्षर एकत्र किए हैं और वह इन्हें भारत के राष्ट्रपति को सौंपेगी।

हर किसी की अपनी अलग राय हो सकती है : रामगोपाल

सपा सांसद ने इस दौरान वोट चोरी को लेकर जम्मू-कश्मीर से मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और एनसीपी शरद पवार गुट की नेता सुप्रिया सुले के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। रामगोपाल यादव ने कहा कि उन दोनों क्या बयान दिया है मुझे नहीं पता लेकिन हर किसी की अपनी अलग राय हो सकती है।

अब्दुल्ला बार-बार विवादों में घिर रहे हैं और जवाब हमें देना पड़ रहा है : मनोज झा

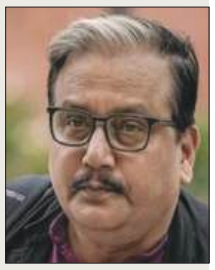

इस मामले पर आरजेडी नेता मनोज झा की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। झा ने उमर अब्दुल्ला के बयान पर कहा कि उमर अब्दुल्ला बार-बार विवादों में घिर रहे हैं, और हमें जवाब देना पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जब हम वोटिंग में धांधली और चुनाव आयोग की बात करते हैं, तो यह मुद्दा बहुत अहम हो जाता है। क्या सभी को बराबर मौका मिल रहा है? क्या निष्पक्ष चुनाव सिर्फ कहने की बात है, या वे सच और ईमानदारी को दर्शाते हैं? ये सभी मुद्दे एक पूरी व्यवस्था का हिस्सा हैं, और हर राजनीतिक दल को इस पर सोचना चाहिए, जिसमें भाजपा भी शामिल है।

दिल्ली प्रदूषण मामले में नहीं थम रहा बवाल

» सिंगापुर एडवाइजरी पर आप और भाजपा में तकरार

» आप नेता भारद्वाज ने उठाया था सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण पर भाजपा व आप में तकरार थम नहीं रही है। प्रदेश भाजपा ने आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के सिंगापुर हाई कमीशन की प्रदूषण संबंधी एडवाइजरी पर टिप्पणी करने को गैर-जिम्मेदाराना और ओछी राजनीति करार दिया है। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि भारद्वाज ने इस मुद्दे पर बयानबाजी कर अपने नेता अरविंद केजरीवाल की 2021 में कोविड काल के दौरान की गई सिंगापुर स्ट्रेन वाली राजनीति की पुनरावृत्ति की है। सचदेवा ने कहा कि किसी भी देश या शहर में मौसम या पर्यावरण की स्थिति खराब होने पर विदेशी सरकारों के अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी करना एक सामान्य और अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया है।

इसे राजनीतिक रंग देना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की समझ के अभाव को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल व भारद्वाज को अंतरराष्ट्रीय मामलों पर बयानबाजी करने से पहले संयम और समझदारी बरतनी चाहिए। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पलटवार किया। उन्होंने 2015-16 के समाचार पत्रों के लिंक साझा करते हुए कहा कि आज भले ही प्रदूषण की स्थिति गंभीर हो लेकिन केजरीवाल सरकार के शुरुआती वर्षों में हालात इतने खराब थे कि कई विदेशी दूतावासों ने दिल्ली को नो फैमिली स्टेशन तक घोषित कर दिया था।

सिंगापुर सरकार की एडवाइजरी करना सामान्य प्रक्रिया : सचदेवा

भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सौरभ भारद्वाज ने सिंगापुर सरकार की एडवाइजरी को लेकर जिस तरह की भाषा का प्रयोग किया है, वह आप नेताओं की संकीर्ण सोच को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि 2021 में कोविड के दौरान भी अरविंद केजरीवाल ने बिना सोचे-समझे कोविड सिंगापुर स्ट्रेन शब्द का इस्तेमाल कर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी।

शेफाली वर्मा बनीं नवंबर की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी

» सम्मान मिलने के बाद शेफाली ने कहा- यह अवार्ड पूरी टीम का है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। क्रिकेट में कुछ पारियां ऐसी होती हैं, जो सिर्फ स्कोरकार्ड तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि इतिहास बन जाती हैं। शेफाली वर्मा की वर्ल्ड कप फाइनल पारी भी कुछ ऐसी ही रही। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को नवंबर 2025 के लिए आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। खिताबी मुकाबले में शेफाली ने पारी की शुरुआत करते हुए 87 रनों की शानदार पारी खेली।

यह न सिर्फ उनका वनडे करियर का सर्वोच्च स्कोर रहा, बल्कि तीन साल से ज्यादा समय बाद आया पहला अर्धशतक भी था। शेफाली ने स्मृति मंधाना के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी की, जिसने भारत को मजबूत नींव दी। शेफाली ने गेंदबाजी से भी अपनी उपयोगिता साबित की। उन्होंने 7 ओवर में 36 रन देकर 2 विकेट झटके और दक्षिण अफ्रीका की मजबूत बल्लेबाजी को झकझोर दिया। आईसीसी से सम्मान मिलने के बाद शेफाली ने कहा, मेरा पहला महिला वर्ल्ड कप जैसा मैंने सोचा था वैसा नहीं रहा, लेकिन इसका अंत मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा खूबसूरत रहा। मैं आभारी हूं कि फाइनल में टीम के लिए योगदान दे सकी और घरेलू दर्शकों के सामने इतिहास का हिस्सा बनी। उन्होंने आगे कहा, इस अवार्ड को मैं अपनी टीम, कोच, परिवार और हर उस व्यक्ति को समर्पित करती हूं, जिसने मेरे सफर में मेरा साथ दिया। हम जीतते और हारते एक टीम की तरह हैं, यह अवार्ड भी पूरी टीम का है।

टी20 सीरीज से अक्षर बाहर, शाहबाज शामिल

लखनऊ। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी पांच टी20 मैचों की सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों से पहले भारतीय टीम को तगड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल तबीयत खराब होने की वजह से सीरीज से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वह लखनऊ में टीम के साथ हैं और मेडिकल टीम की निगरानी में हैं। अक्षर की जगह चयन समिति ने शाहबाज अहमद को टीम में शामिल किया है। 31 वर्षीय ऑलराउंडर ने भारत के लिए 2022 में डेब्यू किया था। उसके बाद से वह टीम का हिस्सा नहीं थे। अब उनकी वापसी हुई है। अब तक खेले दो टी20 मैचों में शाहबाज ने दो विकेट अपने नाम किए हैं जबकि तीन वनडे मैचों में उनके नाम तीन विकेट दर्ज हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज में मेजबान टीम दो मुकाबले जीतकर 2-1 की बढ़त से आगे चल रही है। सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारतीय टीम ने पहला और तीसरा मुकाबला जीता था जबकि दूसरे मैच में मेहमानों को जीत मिली। अब भारतीय टीम की नजर चौथे मुकाबले पर है। यह मैच 17 दिसंबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत अगर यह मैच जीत लेता है तो 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर सीरीज अपने नाम करने में कामयाब होगा। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा।

नगर निगम के मार्ग प्रकाश के तले ही अंधेरा

» रोशनी को तरस रहे हैं वीआईपी इलाके

» गोमती नगर अंधेरे के हवाले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम द्वारा वीआईपी क्षेत्र कहे जाने वाले गोमती नगर (जोन-4) में मार्ग प्रकाश व्यवस्था पर लाखों रुपये खर्च किए जाने के दावों की पोल जमीन पर खुलती नजर आ रही है। मुख्य मार्गों से लेकर रिहायशी गलियों तक लगी स्ट्रीट लाइटें कई दिनों से बंद पड़ी हैं, जिससे पूरा इलाका रात होते ही अंधेरे में डूब जाता है। हैरानी की बात यह है कि खंभों पर लगी कई स्ट्रीट लाइटें दूर से जलती हुई प्रतीत होती हैं, लेकिन पास जाने पर हकीकत सामने आती है—लाइटें पूरी तरह निष्क्रिय हैं।

सवाल उठता है कि जब वीआईपी इलाके की यह स्थिति है, तो नगर निगम की मॉनिटरिंग और निरीक्षण व्यवस्था आखिर काम कैसे कर रही है। अंधेरे के कारण रोजमर्रा की आवाजाही जोखिम भरी हो गई है। बुजुर्गों, महिलाओं और दोपहिया वाहन चालकों को खासा खतरा बना रहता है। वहीं, कई इलाकों में असामाजिक गतिविधियों के बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, जोन-4 में तैनात जूनियर इंजीनियर अनुराग सिंह के कथित मौखिक निर्देशों के चलते स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और नियमित संचालन को नजरअंदाज किया जा रहा है। बताया जाता है कि संबंधित अधिकारी को विभागीय स्तर पर संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते कार्यदाई संस्था भी जवाबदेही से बचती नजर आ रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर निगम हर साल मार्ग प्रकाश व्यवस्था के रखरखाव पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करता है, फिर गोमती नगर जैसे प्रमुख और वीआईपी क्षेत्र में अंधेरा क्यों छाया हुआ है। क्या बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों के बावजूद भुगतान किए जा रहे हैं?

जांच के बाद लापरवाही सामने आने पर कार्रवाई की जाएगी : मनोज प्रभात

आर आर चीफ मनोज प्रभात का कहना है जितनी भी जगह लाइटें बंद पड़ी है या खराब है उनकी जांच सहायक अभियंता से कराई जाएगी जूनियर इंजीनियर की लापरवाही सामने आएगी उनके ऊपर कार्रवाई की जाएगी।

पंचायत समिति चुनाव के बैलेटपेपर पहले ही छपवाए गए : चन्नी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों को लेकर आज मतदान हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने पंजाब सरकार पर तीखा हमला किया है। चरणजीत सिंह चन्नी ने एक बैलेट पेपर दिखाते हुए आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने पहले ही 10 प्रतिशत बैलेट पेपर अंबाला से छपवा लिए थे और अब साजिश के तहत इन बैलेट पेपरों को मतदान में शामिल किया जा रहा है।

उन्होंने वोटों वाले बक्सों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े किए। चरणजीत सिंह चन्नी ने दुराहा के एक जोन का बैलेट पेपर दिखाते हुए कहा कि यह बैलेट पेपर बीती रात ही सोशल मीडिया ग्रुप में डाला गया था, जबकि मतदान सुबह होना था।

भाजपा नकारा राजनीति करती है: दीपेंद्र हुड्डा

» कांग्रेस नेता बोले- काम में नहीं सिर्फ नाम बदलने में विश्वास रखती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मनरेगा योजना का नाम बदलने पर कहा कि यह भाजपा की नकारा राजनीति को दर्शाता है। इससे स्पष्ट है कि भाजपा काम में नहीं बल्कि नाम बदलने में विश्वास रखती है। ये सरकार सिर्फ योजनाओं के नाम बदलकर श्रेय लेना चाहती है, क्योंकि काम करना इनके बस की बात नहीं है। सांसद दीपेंद्र संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान प्रेसवार्ता कर रहे थे। दीपेंद्र ने कहा कि काम किसी का, नाम किसी का भाजपा की नीति बन गई है।

भाजपा के भीतर झूठा श्रेय लेने की ऐसी तलब है कि ये कल को ताजमहल को बनवाने का भी दावा कर सकती है। इस मौके पर कांग्रेस सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि मनरेगा के तहत, 100 दिनों की रोजगार गारंटी की योजना थी। लेकिन जब उन्होंने हरियाणा के बारे में सवाल पूछा तो बताया गया कि इसके तहत आठ लाख से अधिक लोग पंजीकृत हैं और 100 दिनों का रोजगार केवल 2100 लोगों को मिला है। आठ लाख से अधिक मजदूरों में से केवल 2100 लोगों को 100 दिनों का काम मिलना बताता है कि भाजपा इस योजना को खत्म करने की कगार पर पहुंच गई है।

वीबी-जी राम-जी बिल पेश, संसद में संग्राम

» कांग्रेस ने भाजपा को मनरेगा पर घेरा

» बिल को किसी सनक पर पास न करें : प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम-जी) बिल, 2025' पेश किया। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि हम इस बिल का विरोध करते हैं। हर योजना का नाम बदलने की सनक समझ नहीं आती है।

बिना चर्चा के बिना सलाह लिए विधेयक को पास न करें। इसे वापस लें। नया विधेयक पेश करें। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी मेरे परिवार के नहीं, मेरे परिवार जैसे ही हैं। पूरे देश की यही भावना है। कम से कम स्थायी समिति के पास इस बिल को भेंजे। कोई विधेयक किसी की निजी महत्वकांक्षा, सनक और पूर्वाग्रहों के आधार पेश नहीं होना चाहिए। और ना ही पास होना चाहिए।

शिवराज ने कहा- ये बिल राम राज्य की स्थापना के अनुरूप

शिवराज चौहान ने कहा- महात्मा गांधी हमारे दिलों में बसते हैं। गांधीजी का दीनदयाल जी का संकल्प था कि जो सबसे नीचे हैं उनका कल्याण पहले किया जाए। हमने यूपीए से 4 गुना ज्यादा मनरेगा में खर्च कर योजना को मजबूत किया है। तकलीफ क्या है, 100 दिन की बजाय 125 दिन की गारंटी देंगे। 1 लाख 51 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि का प्रावधान किया गया। कांग्रेस ने जवाहर रोजगार योजना का नाम बदला तो क्या नेहरू जी का अपमान हुआ। इस बिल से हम गरीब का सम्मान और महात्मा गांधी का सपना पूरा कर रहे हैं। ये बिल गांधी जी की भावनाओं के अनुरूप राम राज्य की स्थापना के अनुरूप है।

थरूर बोले- राम का नाम बदनाम न करो

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी वीबी-जी राम-जी बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी का नाम बदलना सही नहीं है। महात्मा गांधी का नाम राज्य का विजन पॉलिटिकल नहीं सामाजिक विकास का था। उनका नाम ही हटाना गलत है। राम का नाम बदनाम ना करो। बिल पर चर्चा के बीच विपक्ष ने हंगामा किया।। इसके बाद कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी। बिल पर चर्चा के बीच विपक्ष ने हंगामा किया।। इसके बाद कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी।

मोगैम्बो के रिकॉर्ड में नाम बदलने के अलावा कुछ भी नहीं : बीके हरिप्रसाद

कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने मंगलवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलने की खबरों पर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मोगैम्बो कहते हुए उन पर ग्रामीण गरीबों को रोजगार देने में विफल रहने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए हरिप्रसाद ने कहा कि वह व्यक्ति जो ग्रामीण गरीबों को रोजगार देने में पूरी तरह विफल रहा है, केवल एमएनआरईजीए ही ग्रामीण गरीबों को रोजगार दे रहा है। नाम बदलने के अलावा, इस मोगैम्बो के रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे पता चले कि उसने देश के गरीबों के लिए कुछ किया है।

गांधी का नाम मिटाने का प्रयास : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एमजीएनआरईजीए योजना के पुनर्गठन के सरकारी कदम की आलोचना करते हुए इसे गांधी का नाम मिटाने और कार्यक्रम को कमजोर करने का प्रयास बताया। खरगे ने कहा कि यह सिर्फ महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का नाम बदलना नहीं है। यह एमजीएनआरईजीए को खत्म करने की भाजपा-आरएसएस की साजिश है। संघ की शताब्दी पर गांधी का नाम मिटाना यह दर्शाता है कि मोदी जी जैसे लोग, जो विदेशों में बापू को फूल चढ़ाते हैं, कितने खोखले और पाखंडी हैं। गरीबों के अधिकारों से मुंह मोड़ने वाली सरकार ही एमजीएनआरईजीए पर हमला करती है। कांग्रेस पार्टी संसद में और सड़कों पर इस अहंकारी सरकार के ऐसे किसी भी फैसले का कड़ा विरोध करेगी जो गरीबों और श्रमिकों के खिलाफ है। हम करोड़ों गरीब लोगों, मजदूरों और श्रमिकों के अधिकारों को सत्ता में बैठे लोगों द्वारा छीने जाने नहीं देंगे।

ईडी को झटका, सोनिया व राहुल गांधी को बड़ी राहत

» नेशनल हेराल्ड केस में कोर्ट का सुनवाई से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में राउज ऐवन्यू कोर्ट ने ईडी की दाखिल चार्जशीट पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। इस फैसले से राहुल गांधी और सोनिया गांधी को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) चाहे तो जांच जारी रख सकती है।

ईडी ने अपनी चार्जशीट में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को नामजद किया था. श्वष्ठ की जांच पर कांग्रेस की दलील थी कि यह राजनीतिक बदले की कार्रवाई है, जबकि श्वष्ठ का दावा है कि यह एक गंभीर आर्थिक अपराध है जिसमें फर्जीवाड़े और मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत मिले हैं। ईडी का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने साजिश के तहत एसोसिएटेड जर्नल्स लि (एजेएल) की 2,000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण प्राइवेट कंपनी 'यंग इंडियन' के जरिए सिर्फ 50 लाख रुपए में किया था। इस कंपनी के 76प्रतिशत शेयर सोनिया और राहुल के पास हैं। इस मामले में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपए मानी गई। साथ ही संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य 5,000 करोड़ रुपए बताया गया है। 12 अप्रैल 2025 को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई थी। ईडी ने दिल्ली के हेराल्ड हाउस (बहादुर शाह जफर मार्ग), मुंबई के बांद्रा (ईस्ट) और लखनऊ के विशेश्वर नाथ रोड स्थित बिल्डिंग पर नोटिस चिपकाए थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के समर्थन में आयीं सोनिया गांधी

» सरकार से सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल सुधारों की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी ने मंगलवार को शून्यकाल के दौरान लाखों महिला फंटलाइन कार्यकर्ताओं की दुर्दशा को उजागर करते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता), आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायकों तथा सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों को सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल सुधारों की मांग की।

गांधी ने इन सरकारी पहलों को महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण मार्ग बताया, लेकिन इस बात पर खेद व्यक्त किया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, पोषण और बाल विकास में उनके अपरिहार्य योगदान के बावजूद, कार्यकर्ता अत्यधिक बोझ, कम वेतन और कम महत्व की बनी हुई हैं। उन्होंने

कहा कि स्वयंसेवी के रूप में वर्गीकृत आशा कार्यकर्ता टीकाकरण अभियान, मातृ स्वास्थ्य सहायता और परिवार कल्याण कार्यक्रमों जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को संभालती हैं, लेकिन उन्हें न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा के साथ कम मानदेय मिलता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना के लिए केंद्रीय भूमिका निभाने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को केंद्र सरकार से कार्यकर्ताओं के लिए लगभग 4,500 रुपये और सहायिकाओं के लिए 2,250 रुपये का मूल मानदेय मासिक रूप से मिलता है, जिसमें राज्यों द्वारा समय-समय पर अतिरिक्त राशि जोड़ी जाती है। उन्होंने देशभर में आईसीडीएस के विभिन्न स्तरों पर लगभग 3,00,000 रिक्तियों की ओर इशारा किया, जिसके परिणामस्वरूप लाखों बच्चों और माताओं को आवश्यक पोषण, स्वास्थ्य जांच और प्रारंभिक शिक्षा सेवाओं से वंचित होना पड़ रहा है।

गांधी ने सेवा वितरण को प्रभावित करने वाली कर्मचारियों की कमी की ओर भी इशारा करते हुए कहा कि कम वेतन के अलावा, वर्तमान में आईसीडीएस में विभिन्न स्तरों पर लगभग तीन लाख रिक्तियां हैं। इन कमियों के कारण लाखों बच्चे और माताएं आवश्यक सेवाओं से वंचित रह जाते हैं। यहां तक कि जब ये पद भर भी दिए जाते हैं, तब भी 2011 के बाद से अद्यतन जनगणना के आंकड़ों के अभाव के कारण जनसंख्या के मानदंडों से कम पड़ते हैं।

मौत बनकर आया कोहरा, 10 लोगों की मौत, कई घायल

» दृश्यता कम होने की वजह से सात बसें और तीन कारें टकराई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। कोहरे के कारण यूपी के कई जिलों में सड़क हादसे हुए हैं। जिनमें 23 लोगों ने अब तक अपनी जानें गंवाई है और कई घायल हुए हैं। प्रदेश के मथुरा, बागपत, उन्नाव और बस्ती में कोहरे के चलते कई गाड़ियां हादसे का शिकार हुई हैं। करीब 2 बजे यमुना एक्सप्रेस-वे पर आगरा से नोएडा जा रही लेन पर घने कोहरे के बीच तेज रफ्तार में दौड़ रहे कई वाहन आपस में टकरा गए। सात बसों और दो कारों में भीषण आग लग गई।

कई लोग वाहनों के अंदर फंस गए, कुछ ने बसों से कूदकर अपनी जान बचाई। अब तक 13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। यमुना एक्सप्रेस वे पर मंगलवार तड़के घने कोहरे ने कहर बरपा दिया। सुबह करीब 3:30 बजे बलदेव थाना क्षेत्र में 127 किलोमीटर माइलस्टोन के पास हुए भीषण सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 80 से अधिक यात्री घायल हो गए। मंडल आयुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया है कि चार शवों की पहचान हो गई है, अन्य के शिनाख्त के लिए टीम जुटी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना के समय दृश्यता लगभग शून्य थी। कोहरे के चलते एक के बाद एक सात बसें और तीन कारें आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई वाहनों में धमाके के साथ आग लग गई। आग की लपटें उठते ही बसों में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण की टीमें मौके पर पहुंचीं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और घायलों को वाहनों से बाहर निकाला गया। घायलों को जिला अस्पताल मथुरा, 100 शैय्या अस्पताल वृंदावन में भर्ती कराया गया है, जबकि गंभीर रूप से घायलों को एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर किया गया है। 38 लोग जिला अस्पताल में भर्ती हैं। जिनका उपचार चल रहा है।

उन्नाव में भीषण सड़क हादसा : एक्सप्रेसवे पर कोहरे में पलटी कार, चार लोगों की मौत

उन्नाव। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर लखनऊ की तरफ जा रही कार वाहन से टकराने के बाद डिवाइडर में टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। सभी गाजियाबाद के मोदीनगर के रहने वाले थे, एक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। आगरा से लखनऊ की तरफ जा रही कार मंगलवार की सुबह करीब 6 बजे बांगरमऊ क्षेत्र में एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी पर पहुंची थी कि घना कोहरा होने से किसी वाहन की टक्कर से करीब 500 मीटर दूर तक डिवाइडर से टकराई और कई बार पलटी खाकर चकनाचूर हो गई। हादसे में कार सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई।

गोवा अग्निकांड: लूथरा ब्रदर्स को लाया गया भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पणजी। गोवा के अरपोरा स्थित नाइटक्लब में हुए भीषण अग्निकांड के बाद फरार सौरभ और गौरव लूथरा को भारत वापस लाया गया है। उनकी

» गोवा पुलिस ने एयरपोर्ट पर ही हिरासत में लिया

फ्लाइट के लैंड करते ही गोवा पुलिस एयरपोर्ट पर पहले से मौजूद रही। फ्लाइट से उतरते ही दोनों को गिरफ्तार किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

लूथरा भाइयों को 16 दिसंबर 2026 को थाईलैंड से दिल्ली लाया गया. वे इंडिगो की फ्लाइट 6ई-1064 से भारत पहुंचे। उनकी वापसी को लेकर सुरक्षा और कानूनी प्रक्रिया के पूरे इंतजाम किए गए थे। सूत्रों के अनुसार, फ्लाइट से उतरते ही लूथरा भाइयों को हिरासत में ले लिया गया। गिरफ्तारी के बाद दोनों का पहले मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। इसके बाद उन्हें ट्रांजिट रिमांड के लिए दिल्ली की पटियाला कोर्ट में पेश किया जाएगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।